

११/५/२५

पतावली जेका दुई / आधिकारता वादी मज वादी  
अनुपाख्यते / उतिवादी अनु. / अनु-रुत मर  
नीन-बाट आसापे दिववारि मरु / अनु-रुत लोम ५१०  
ते पुनरुते अनु वादी मज आधिकारता वादी के अनुपाख्यते  
रहे पर वादी का मज अनु हाजरी / अनु-रुत पंजी  
मे खानि किला जाता है पतावली के लोम अनु-रुत  
लेख अनु-रुत से अनु-रुत है

निधी अनु-रुत अनु-रुत ।

